[Shri Hathi]

May, 1962, under sub-section (2) of section 7 of the Employees' Provident Funds Act, 1952. [Placed in Library. *See* No. LT-137/62].

NOTIFICATION UNDER THE COLLECTION OF STATISTICS ACT

The Minister of State in the Ministry of External Affairs (Shrimati Lakshmi Menon): Sir, I beg to lay on the Table a copy of the Collection of Statistics (Central) Amendment **Rules, 1962 published** in **Notification** No. S.O. 1309 dated the 5th May, 1962, under sub-section (3) of section 14 of the Collection of Statistics Act, 1953. [Placed in Library. *See* No. LT-138/62.]

12·10 hrs.

*DEMANDS FOR GRANTS—*contd.*

MINISTRY OF FOOD AND AGRICULTURE—*Contd.*

Mr. Speaker: We now take up further discussion and voting on the Demands for Grants under the control of the Ministry of Food and Agriculture. Out of Eight hours, four hours and 50 minutes have been taken. Three hours and ten minutes remain. Shri Vishram Prasad may continue.

श्री विश्राम प्रसाद (लालगंज) : अध्यक्ष महोदय, कल मैं सीक्योरिटी आफ टन्योर, ओनरशिप आफ टनेन्ट्स, रगुलेशन आफ रैंट्स और सीलिंग ग्रौन लैंड्स के ऊपर भाषण कर रहा था। इसी सिलसिले में

श्री भक्त दर्शन (गढ़वाल) : श्रीमन्, मंत्री महोदय किस समय जवाब देंगे यह मालूम हो जाना चाहिए ।

अध्यक्ष महोदय : मैं अभी बतलाता हूं ।

श्री विश्राम प्रसाद : मैं इस सिलसिले में रिपोर्ट ग्रौन इंडियाज फूड क्राइसिस एंड स्टप्स टु मीट इट बाई फोर्ड फाउंडेशन स्कीम से थोड़ा सा रेफ्रेंस देना चाहता हूं :—

"Such retardation emphasises the urgent need for passage of land reform legislation at the earliest possible dates, and then for immediate execution of the provisions of such legislation."

यह रेकमेंडेशंस दी गई हैं । मेरा कहना यह है कि जब तक इस जमीन का बंटवारा या जमीन के एरेंजमेंट के सिलसिले में सुधार नहीं होगा तब तक हमारे देश की पदावार नहीं बढ़ सकती है । जो दरअसल खेती करता है व पदा करता है उसके पास जमीन नहीं है । इसलिए यह जरूरी है कि जमीन का बंटवारा समुचित रूप से हो ।

दूसरा प्रश्न प्राइस कंट्रोल और स्टेबेलाइजेशन आफ प्राइसेज का आता है । जब तक किसान को यह न मालूम हो जाय कि वह जो फसल पैदा करता है उस का उसे क्या मूल्य मिलने वाला है तब तक उसकी पैदावार नहीं बढ़ पाती है ।

इस सिलसिले में इस रिपोर्ट में यह मेंशन किया गया है :—

"To encourage increases in foodgrain production, the cultivator should be assured of a price which will enable him to invest in fertiliser, seed and new equipment knowing that, with average crop conditions, he can repay any debts with the added income that results from adoption of improved practices."

अध्यक्ष महोदय : मुझ से अभी सवाल किया गया था कि मिनिस्टर साहब किस वक्त बोलेंगे तो मैं बतलाना चाहता हूं कि मैं उन्हें जवाब देने के लिए तीन बजे बुलाऊंगा ।

श्री विश्राम प्रसाद : "Such assurance would constitute an important incentive to increased production."

---

*Moved with the recommendation of the President.